

साउदर्न पावर्टी लॉ सेंटर

# चरमपंथियों ने मतदाताओं और चुनावों में हेरफेर करने के लिए दुष्प्रचार फैलाया

चुनावी चक्रों के दौरान, मतदाताओं के बीच ऐसा दुष्प्रचार फैलाया जाता है कि उनमें अंतर करना मुश्किल हो जाता है, झूठे षडयंत्र के सिद्धांत बताए जाते हैं और अवैध स्रोतों से प्रोपेगेंडा फैलाया जाता है। दुष्प्रचार के प्रकार और संकेतों को समझना इसके नकारात्मक प्रभावों का मुकाबला करने के लिए आवश्यक है।

## दुष्प्रचार है:

- जानबूझकर झूठी या भ्रामक सामग्री जो धोखा देने और नुकसान पहुंचाने के इरादे से तैयार की गई हो।

## दुष्प्रचार कम प्रत्यक्ष पक्षपाती स्रोतों से भी फैलाया सकता है जैसे:

- मैसेजिंग ऐप
- सोशल मीडिया
- 'नकली' न्यूज
- स्ट्रीमिंग वीडियो आउटलेट्स

## दुष्प्रचार के पीछे कौन होता है?

- फेरबदल करने वाले चरमपंथी अभिनेता, अक्सर द्रोही और सरकार विरोधी समूहों से जुड़े होते हैं।

## चरमपंथी इस उद्देश्य से दुष्प्रचार का उपयोग करते हैं:

- लोकतंत्र में जानबूझकर और गलत तरीके से आशंका का बीज डालने के लिए।
- हिंसा भड़काने के लिए।
- चुनाव में अविश्वास पैदा करने के लिए।
- राजनैतिक और वित्तीय लाभ हासिल करने के लिए।
- मतदाता-निरोधी कानून पास करने के लिए।
- अव्यवस्था और भ्रम की स्थिति बनाने के लिए।

## दुष्प्रचार की सामग्री में निम्नलिखित शामिल होते हैं:

- जातीय एवं लैंगिक मुद्दों के बारे में झूठे विवरण।
- रूढ़िवादी।
- विवादास्पद सामाजिक और आर्थिक मुद्दे।

## दुष्प्रचार के लक्ष्य हैं:

- आम लोग
- धार्मिक समुदाय
- रंग के समुदाय
- कड़े मुकाबले वाले जिलों के मतदाता

यह गंभीर है! \_\_\_\_\_

चुनावों के बारे में चरमपंथी अभिनेता के दुष्प्रचार अभियान के कारण 6 जनवरी 2021 को हिंसा हुई थी और 2020 में अमेरिका के स्टेट में हिंसा हुई थी।

दुष्प्रचार के कारण चुनाव कार्यकर्ताओं पर लक्षित हमले हुए।

- SPLC सर्वेक्षण में झूठे जातिवादी षडयंत्र के सिद्धांतों और राजनीतिक हिंसा का समर्थन करने की इच्छा में विश्वास के स्तरों की चिंताएं पाई गईं।

#### दुष्प्रचार: \_\_\_\_\_

- व्यंग्य या पैरोडी के रूप में आ सकता है।
- सनसनीखेज/भ्रामक सुर्खियां बन सकता है।
- इसमें गलतियों से भरी घटिया पत्रकारिता हो सकती है।
- क्लिकबैट विक्री सामग्री के रूप में काम कर सकता है।
- प्रचार से भरपूर हो सकता है।

#### दुष्प्रचार के लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: \_\_\_\_\_

- असाधारण दावे करना।
- उन तथ्यों का उपयोग करना जो अनुचित स्रोत वाले हों।
- एक ही कहानी में तथ्य और विचार का मिलावट करना।
- आउट-ऑफ-प्लेस चित्रों या ग्राफिक्स का उपयोग करना।

#### जानकारी की वैधता की पुष्टि करने के तरीके:

- स्रोत और लेखक की जांच करना।
- जानकारी के लिए अन्य स्रोतों का उपयोग करना।
- आलोचनात्मक मानसिकता बनाए रखना।
- फैक्ट-चेकिंग साइटों पर कहीं और तथ्यात्मक दावों की पड़ताल करना।
- इस बात की पुष्टि करना कि क्या स्रोत व्यंग्य के लिए जाना जाता है।
- पूर्वाग्रह या आलोचना का पता लगाने के लिए टिप्पणियों की समीक्षा करना।
- संपादन या फेरबदल प्रदर्शित करने वाली त्रुटियों के लिए चित्रों की जांच करना।

#### निम्नलिखित तरीके से दुष्प्रचार को फैलने से रोकने का कार्य:

- व्यक्तिगत रूप से जागरूक बनना।
- इस हानिकारक हेरफेर वाले प्रचलन का मुकाबला करने के लिए अपने दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों के साथ बात करके गलत जानकारी की रिपोर्ट करना इसके लिए सबसे अच्छा बचावकारी उपाय है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (bit.ly/3CbKFo7) पर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर दुष्प्रचार को फ्लैग करना रिपोर्ट करना।
- Common Cause(reportdisinfo.org) जैसे
- सायबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी (CISA) डिसइंफॉर्मेशनइंफोग्राफिक्स (bit.ly/3fOjA33)
- विश्व स्वास्थ्य संगठन "दुष्प्रचार के बारे में ऑनलाइन रिपोर्ट कैसे करें" पेज(bit.ly/3CbKFo7)
- सायबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी (CISA) इंफॉर्मेशनमैनिपुलेशन ग्राफिक्स (bit.ly/3SFI7qF)

अधिक जानकारी यहां पाई जा सकती है:

क्योंकि दुष्प्रचार करने की मंशा होती एक प्रबल भावनात्मक प्रतिक्रिया और ऐक्शन को उत्तेजित करना। रुकें — संदेह करें और जांच करें!

SPLC साउदर्न पॉवर्टी लॉ सेंटर